RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 39 अंक 21 हल्द्वानी सम्वत् 2080 सोमवार 30 अक्टूबर 2023 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

एन.डी. का स्मरण करते हुए चुनाव का निशाना

तराई-भाबर में धाक रही है तिवारी की

कार्यालय प्रतिनिधि

कांग्रेस के पहाड़ी दिग्गज नेता के रूप में देश भर में पहचान रखने वाले पूर्व मुख्यमंत्री स्व. नारायण दत्त तिवारी की जयन्ती और पुयर्णतिथि के अवसर पर हल्द्वानी में कांग्रेस समेत सभी दलों के नेताओं ने भागीदारी करते हुए उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किये। एन.डी.तिवारी को याद करने के लिये भवाली, भीमताल, रामनगर, पन्तनगर, काशीपुर, रुद्रपुर, गदरपुर समेत कई जगह समारोह हुए जिसमें हल्द्वानी में हुआ सर्वदलीय समारोह सबसे ज्यादा चर्चा में रहा है। इसके पीछे मुख्य कारण है कि एन.डी. के पारिवारिक जनों में शामिल कांग्रेस के प्रवक्ता दीपक बल्युटिया की ओर से आयोजन का नेतृत्व। बताते चलें कि एन.डी. तिवारी के ननीहाल में बल्युटिया परिवार है और उनका विशेष लगाव इनसे रहा है। चाहे चुनावी समय हो या कोई विशेष बात-व्यहार तिवारी जी का का केन्द्रबिन्दु बल्युटिया परिवार रहा है। ऐसे में अपने बुजुर्ग का स्मरण करते हुए युवा कांग्रेसी नेता व पार्टी प्रवक्ता दीपक बल्युटिया उस परम्परा को बनाए हुए हैं। एन. डी.तिवारी के जीवन के उत्तरार्द्ध में भी उनके जन्मदिन के भव्य आयोजनों को करवाने में श्री बल्युटिया का नेतृत्व था, जिससे यूपी और उत्तराखण्ड की राजनीति में हलचल मच गई थी। उस समय एनडी अपने परिवार के साथ मंच पर थे और उनके निजी कारणों पार्टी के बड़े नेता भी मिलने से कतरा रहे थे लेकिन उनके निकटस्थ लोगों ने साहसपूर्ण आयोजन करवाया। यूपी के मुख्यमंत्री अखिलेश यादव भी दलबल के साथ हल्द्वानी आ गये। यह चर्चा भी होने लगी थी कि एन.डी. समाजवादी

पार्टी में जा सकते हैं लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। एनडी का कद इतना बड़ा रहा है कि सभी पार्टियों के लोग उन्हें मान देते थे। यही सब आज भी उनके बाद बना हुआ है।

यूपी और उत्तराखण्ड के सफल मुख्यमंत्री के अलावा केन्द्र सरकार में बड़ी भूमिका निभाने वाले तिवारी जी ने तराई के विकास में जिस प्रकार से योगदान दिया, उन्हें याद किया जाता है। नैनीताल-बहेड़ी लोकसभा सीट उनकी प्रिय रही है और यहाँ से एकतरफा जीत के अलावा उनके नाम कई रिकार्ड हैं। ऐसे में उनके नाम से जुड़े दीपक बल्युटिया की पकड़ और अनुभव राजनीति के दिग्गज भी जानते हैं। यही कारण है कि एन.डी. के नाम पर होने वाले किसी भी प्रकार के आयोजन पर राजनीति की मोहर लगा दी जाती है। हालाँकि एन.डी के स्मरण के लिये उन्होंने सर्वदलीय सभा का आयोजन किया था लेकिन हल्द्वानी नगर से लेकर प्रदेश की राजनीति में जिस प्रकार की तरंगे उठ रही हैं उससे इस आयोजन को चुनाव

दीपक बल्युटिया बढ़ा रहे हैं परम्परा

का निशाना कहा गया है। आयोजन में दीपक बल्युटिया ने कहा कि स्व. तिवारी एक युगपुरुष के रूप में हमेशा जाने जाएंगे। वह दलगत राजनीति से ऊपर उठकर एक सर्वमान्य नेता के रूप में रहे हैं। उनके विकास मॉडल को आगे बढ़ाना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगा। कालाढूंगी के विधायक बंशीधर भगत ने कहा कि उत्तराखण्ड के विकास में तिवारी जी के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने हमेशा दलगत राजनीति से ऊपर उठकर काम किया। किच्छा विधायक तिलक राज बेहड़ ने कहा कि पूर्व सीएम तिवारी ने दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सभी लोगों को समान दृष्टि से देखते हुए उनके काम करते थे। उत्तराखण्ड में हुए विकास कार्यों के तहत कोई ऐसी दीवार या नींव नहीं है जहाँ स्व. तिवारी का नाम नहीं हो। मण्डी बोर्ड के चैयरमैन डॉ. अनिल कुमार डब्बू ने कहा कि स्व. तिवारी ने उत्तराखण्ड के विकास में अहम योगदान दिया। उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। तिवारी की कल्पना के अनुरूप ही मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की सरकार राज्य में विकास को अनवरत जारी रखे हुए है। हल्द्वानी के विधायक सुमित हृदयेश ने कहा कि स्व. तिवारी के विकास कार्यों को कभी नहीं भुलाया जा सकता। उनका राजनीतिक कद न केवल उत्तराखण्ड बल्कि उत्तर प्रदेश और पूरे देश में जाना जाता है। समारोह में पूर्व सांसद महेन्द्र सिंह पाल, पूर्व विधायक गोविन्द सिंह कुंजवाल, मेयर जोगेन्द्र रौतेला आदि उपस्थित थे।

हरि प्रदर्शनी के लिये मल्ला दुम्मर तैयार

पिघलता हिमालय प्रतिनिधि

मुनस्यारी। महान स्वतंत्रता सेनानी स्व. हरि सिंह जंगपांगी की याद में प्रतिवर्ष होने वाली हरि प्रदर्शनी की तैयारी पूरी हो चुकी है। मल्ला दुम्मर प्रदर्शनी के लिये तैयार है और 5 नवम्बर से तीन दिवसीय कार्यक्रम की रूपरेखा तय है। समिति के संरक्षक गंगा सिंह जंगपांगी, अध्यक्ष किशन सिंह जंगपांगी, सचिव भूपेन्द्र सिंह जंगपांगी ने बताया है कि लघु कुटीर उद्योग, कृषि, बागवानी, ग्रामीण पर्यटन, हस्तकला, हथकरघा, कास्ट कला, जड़ीबूटी प्रदर्शनी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ तीन दिन तक मल्ला दुम्मर में उत्सव रहेगा। प्रथम दिन प्रदर्शनी परिसर में स्वच्छता अभियान के बाद सायंकाल स्थानीय कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। द्वितीय दिवस की शुरुआत प्रभातफेरी और झण्डा रोहण से होगी। जिसमें क्षेत्रवासियों सहित दूर-दराज से पधारे महानुभाव प्रतिभाग करेंगे। इसी दिन स्व. नरसिंह जंगपांगी स्मृति बालीबाल प्रतियोगिता व स्वास्थ्य शिविर भी लगेगा। संगोष्ठी के अलावा प्रदर्शनी का अवलोक होगा। प्रदर्शनी के तीसरे दिन 7 नवम्बर को बच्चों की पेन्टिंग, प्रश्नोत्तरी एवं निबन्ध प्रतियोगिता के अलावा पर्यावरण संरक्षण, पर्यटन, स्वच्छ भारत, प्रदूषण नियन्त्रण, जड़ी-बूटी उत्पादन पर संगोष्ठी होगी। जोहारी वेशभूषा व खेलकूद प्रतियोगिता के उपरान्त पारितोषिक वितरण होगा। आयोजन को लेकर हल्द्वानी में भी लगातार सम्पर्क अभियान चलाया गया है।

उल्लेखनीय है कि आजादी के बाद से निरन्तर यह प्रदर्शनी होती आ रही है। अपनी संस्कृति अपने कुटीर उद्योग धन्धों को प्रोत्साहित करने के लिये यह बेहतर कदम है। हरि प्रदर्शनी में क्षेत्र के सभी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का स्मरण किया जाता है।

मल्ला जोहार विकास समिति का वार्षिक अधिवेशन भी होगा

हल्द्वानी। हरि प्रदर्शनी के दौरान मल्ला जोहर विकास समिति का वार्षिक अधिवेशन मल्ला दुम्मर में 6 नवम्बर 12.30 बजे को रखा गया है। समिति के अध्यक्ष श्रीराम सिंह धर्मशक्तू ने बताया है कि प्रतिवर्ष स्वतंत्रा सेनानी स्वर्गीय हरि सिंह जंगपांगी की पुण्य स्मृति में माइग्रेशन परिवार नीचे घाटियों में आने के बाद वार्षिक अधिवेशन का आयोजन किया जाता है जिसमें समस्त शासन-प्रशासन के अधिकारी गण उपस्थित रहते हैं। साथ ही माइग्रेशन अवधि के दौरान कठिनाइयां एवं समस्याओं का समाधान करने हेतु विचार विमर्श किया जाता है। शासन प्रशासन के तरफ से जो जो 2023 के अन्तर्गत कार्य किए गए हैं उसकी भी रूपरेखा तैयार करते हुए माइग्रेशन परिवार के लोगों को अवगत किया जाता है। इस वर्ष केन्द्र सरकार की तरफ से विकास की गति को आगे बढ़ते हुए वाइब्रेंट विलेज के अन्तर्गत सन 2024 में अनेक कार्य किए जाएंगे साथी सीमान्त क्षेत्र के 14 गाँव में से 7 गाँव को वाइब्रेंट विलेज के अंतर्गत चिन्हित किए गए हैं अन्य अन्य 7 गाँव को भी वाइब्रेंट विलेज के अन्तर्गत चिन्हित करने हेतु मल्ला जोहर विकास समिति मुनस्यारी के तरफ से शासन प्रशासन से पत्राचार के माध्यम से अनुरोध किया गया है। साथ ही आर्मी के द्वारा भी उच्च हिमालय सीमान्त क्षेत्र जो भारत तिब्बत चीन सीमा के नजदीक गाँव के विकास के लिए भी प्रयास किया जा रहे हैं ताकि लोग अपने गाँव को विकसित करें और पलायन को रोका जा सके।

महान अन्वेषक पंडित नैन सिंह रावत की जयन्ती मनाई

मुनस्यारी। महान अन्वेषक पण्डित नैन सिंह रावत की मातृभूमि मुनस्यारी में उनकी जयन्ती मनाई जा रही है। इस अवसर पर नैन सिंह जी के जन्म स्थान भटकूड़ा गाँव में एक स्मारक तथा संग्रहालय बनाए जाने की मांग की। साथ ही 21 अक्टूबर को उत्तराखण्ड में राजकीय दिवस घोषित करते हुए प्रत्येक सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थानों में पण्डित नैन सिंह रावत की जयन्ती मनाई जाने का आदेश जारी करने के लिए सरकार से प्रस्ताव बनाने को

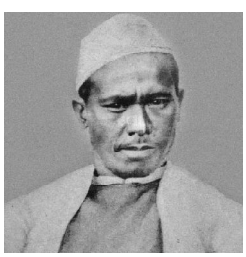

कहा। जिला पंचायत सदस्य जगत सिंह मर्तोलिया ने कहा कि नई पीढ़ी पण्डित नैन सिंह रावत के बारे में जानकारी रखे। इसके लिए प्रतिवर्ष उनकी जयन्ती पर कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

19 वीं शताब्दी के महान अन्वेषक पण्डित नैन सिंह रावत ने अपनी जान जोखिम में डालकर तिब्बत का सर्वे कर दुनिया को तिब्बत के बारे में जानने का अवसर दिया। पण्डित नैन सिंह रावत के

शेष पृष्ठ 5 पर

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

भेड़िया धंसान में कुकृत्य कौन देखता?

इन दिनों हल्द्वानी के गौलापार स्थित दृष्टिबाधित संस्था नेब के प्रमुख श्याम सिंह धानक की चारों ओर चर्चा है। बालिकाओं द्वारा यौन शोषण का आरोप लगने के बाद से धानिक की परेशानियां बढ़ती जा रही हैं। शासन-प्रशासन एकदम मामले में छानबीन के साथ ही हर प्रकार से पड़ताल कर रहे हैं। सबको यह भी आश्चर्य हो रहा है कि धानक ऐसा कृत्य कर सकते हैं। फिलहाल जांच के बाद सारा राज खुलेगा।

आरोप के बाद नेब संस्था के आरोपी महासचिव को उनके पद से हटा दिया गया और सबकी नज़र जांच पर टिकी है। यह तो रहा एक संस्था का मामला लेकिन सवाल उठता है कि भेड़िया धंसान में कुकृत्य कौन देखता? समाज में भेड़चाल की कई तस्वीरें लगातार दिखाई दे रही हैं। एक के पीछे भीड़ बनने की इस प्रथा ने सोचने-समझने की स्थिति को कुन्द कर दिया है। समाजसेवा, संस्कृति, भाईचारे के नाम पर लगने वाले जमघट से अधिकांश लोग भ्रमित हो जाते हैं। यही सब नेब संस्था में भी हुआ। दृष्टिबाधित बच्चों के नाम पर बनी संस्था में लगातार धनवर्षा होने लगी। अपनी ओर से सहयोग करते हुए गुप्त दान होने लगे। दान देने वालों का ध्यान सिर्फ दृष्टिबाधित बच्चे रहे होंगे, नेब के अन्दरखाने क्या हो रहा है कौन जानता। इस प्रकार के दान पुण्य करने के लिये भेड़ चाल चलने का चलन बढ़ता जा रहा है। जबकि हमारी सनातन परम्परा में तो दान-पुण्य के उपाय बताए गये हैं, उसमें दिखावा और छलावा नहीं है। फिर हम भेड़ चाल क्यों चल रहे हैं? हमें अपनी गौरवशाली परम्परानुसार अनुसरण करना है।

छात्रसंघ चुनाव आदेश और लट्ठबाजी

उत्तराखण्ड के शिक्षा मंत्री डॉ.धनसिंह रावत ने एकदम ठोस फैसला लिया है कि राजकीय विश्वविद्यालयों और कालेजों में शिक्षा सत्र नियमित करने के लिये एक प्रवेश, एक परीक्षा, एक परिणाम, एक दीक्षांत व एक चुनाव के फार्मूले के तहत कार्य हों। कहने और सुनने में मंत्री जी का आदेश बहुत सटीक है लेकिन व्यवहार में लट्ठबाजी हो रही है। जल्दबाजी में परीक्षा, परिणाम, प्रवेश होना याने सबकुछ औपचारिक.....। ऐसे में छात्र गुटों के बीच टकराव और लट्ठबाजी खूब हुई है। फिर भी इस सच को स्वीकरना होगा कि उच्चशिक्षा मंत्री डॉ. धनसिंह ने एक समय पर चुनाव जल्द कराने का जो आदेश दिया है वह अगले शैक्षणिक सत्र से नियमितता का रास्ता है। इसके लिये सभी को सहयोगी बनना चाहिये। विश्वविद्यालयों को चाहिये कि परीक्षा, प्रवेश की तिथि बार-बार बढ़ाने के बजाय तय समय से कार्य करें।

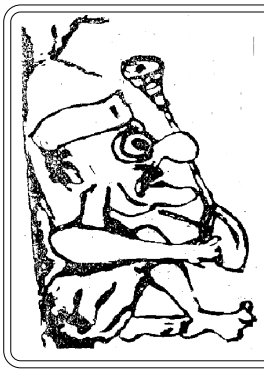

फसक

दाज्यू, महानयाकों की टुटाट सब सुनने वाले ठैरे

राम बारात और शूर्पनखा नृत्य में रंगत आती है बल

दाज्यू, मोदी ज्यू आदि कैलास क्या घूम आए हकाहाक मचा रखी है। सुरेश ने बताया है- 'महानायक अमिताभ बच्चन ने भी आदि कैलास को दैवत्व वाला स्थान बताते हुए ट्वीट किया है।' दाज्यू, महानायकों की टुटाट सब सुनने वाले ठैरे। शाहरूख खान, सलमान खान का समय हुआ आजकल। मधुवाला से लेकर पूनम ढिल्लो तक का सफर बीत चुका। ज्यो-त्यो टुटाट समय अनुसार होती रहती है बल। हम बचपन से कह रहे हैं पंचाचूली, त्रिशूल पर्वत, ऊँ पर्वत.....सुनने वाले ल्याख ही नहीं लगा रहे थे। अब हमें कहाँ फुर्सत .....रामलीला का सीजन ठैरा। गाँव-घर का मामला हुआ। तालीम, दरी बिछाने, चन्दा देने से लेकर तिलपात्र तक सब निभाना हुआ। अपने धामी ज्यू भी खूब यात्रा कर रहे हैं। इंग्लैण्ड के बाद संयुक्त अरब अमीरात की सैर हुई। अबूधाबी में मन्दिर की कारसेवा में हिस्सा लिया। दाज्यू, सेवा करती रहनी चाहिये तभी मेवा मिलते हैं। किसको कितने मिलेंगे यह उसका अपना भोग-भाग ठैरा।

जमाना बदलता जा रहा है असल नकल में अन्तर मुश्किल है। शहर में राम बारात निकालने के लिये मंत्री-विधायक सब पिल पड़े। सड़कें जाम हो गई। दाज्यू, राम बारात और शूर्पनखा नृत्य में रंगत आती है बल। हमारे इलाके में घनानन्द शूर्पनखा बनकर खूब नाचता रहा है। 'मेरा रूप देख के चन्द्रमा शरमा गया' 'छोड़ आई लंका का राज लखन लाल तेरे लिये'.....अब कहाँ रही वह बात। रावण दरबार में 'चिकिया कलाईयाँ हरी हरी चुड़ियां' हो रहा था.....। किसको पकड़ो? असल-नकल किसे कहें? वक्ता मैनेजर भी नहीं ठैरा। सार्वजनिक शौचालय के बाहर कुर्सी डालकर साल भर बैठे रहने वाला सनी गले में ढोल डालकर राम बारात दुबारा से निकालने की बात कर रहा है। सोचा हरिद्वार जाकर गंगा में डुबकी लगा लें लेकिन वहाँ तो और ही लीला हो रही है।

हरिद्वार में नकली दवा बनाने वाली फैक्ट्री पकड़ी गई। लाखों रुपये के कैप्सूल व उपकरण और कच्चा माल बरामद किया गया बल। पन्तनगर किसान मेले में कुलपति ने कहा- 'मोटा अनाज कुपोषण को समाप्त कर देगा।' दाज्यू, यह तो हम भी समझ रहे हैं लेकिन शोषण कैसे समाप्त होगा? रुद्रपुर में शादी डॉट कॉम के द्वारा धोखा देने वाले दो दबोच लिये हैं बल। शादी डॉट कॉम बेवसाइट के माध्यम से शादी करवाने वाले ने दो युवतियों को प्रेमजाल में लपेट लिया। दाज्यू, रामलीला का सीजन हुआ। अभिनय सबके हुए। हाईकोर्ट ने अनियमितता के मामले में नैनीताल नगर पालिका के ईओ को निलम्बित करने के आदेश दे डाले और पालिकाध्यक्ष के अधिकार सीज कर दिये। सितारगंज के शक्तिफार्म स्थित प्राथमिक विद्यालय में मिड-डे मील में अनियमितता पर प्रधानाध्यापक निलम्बित कर दिय है बल।

अपर निदेश पर्यटन ने नैनीताल में नैचर गाइड की दस दिवसीय कार्यशाला में प्रकृति को पर्यटन के साथ जोड़ने की बात कही। दाज्यू, अधिकारी तो कह देने वाले हुए उन्हें व्यवहारिकता कौन बताए? कार्यशाला, गोष्ठी, सभा तो लगा धन्धा ठैरा। प्रकृति से गजेड़ी-भंगेड़ी बहुत जुड़े हैं। नशा उन्मूलन के लिये हर दिन कुछ न कुछ बात हो रही है पर बूटी के लिये सूंघ-सूंघ कर घूमने वालों रोकना कठिन हो गया है। पुलिस भी दस-पाँच ग्राम स्मैक के साथ किसी को पकड़ ले तो समाचारों में उसका टुटाट हो जाने वाला ठैरा। -तुम्हारा भुली झकरुवा

फुटबाल फेडरेशन गंगोलीहाट

रोचक मुकाबले में भाटगाँव पैनाल्टी सूट से जीता

अगले वर्ष से अंडर-१५ और अंडर-१९ मैच भी कराए जाएंगे : नाराण बोहरा

फुटबाल फेडरेशन गंगोलीहाट के बैनर तले आयोजित 7-ए साइट नांक आउट फुटबाल टूर्नामेंट का फायनल मुकाबला भाट गाँव और खाती जनरल स्टोर की टीमों के बीच खेला गया। बहुत ही रोमांचक मुकाबले में निर्धारित समय में दोनों ही टीमें 1-1 गोल कर बराबरी में रही फिर रैफरी ने पैनल्टी सूट से मुकाबला कराया जिसमें खिलाड़ियों सहित हजारों की संख्या में आये दर्शकों की धड़कन भी बढ़ती रही और अन्ततः रोमांचक मुकाबले में भाट गाँव की टीम ने कोई गलती न करते हुए विजयी गोल दागकर फेडरेशन फुटबाल क्लब मैच अपने नाम किया। फेडरेशन फुटबाल क्लब की ओर से 10 हजार का नगद पुरस्कार उपविजेता टीम को और 25 हजार रुपये विजयी टीम को दिया गया। इसके साथ ही दोनों टीमों के रोमांचक मुकाबले को देखने आये दर्शकों की ओर से भी इन दोनों ही टीमों पर नगद इनाम घोषित किया गया जिसमें 8-9 हजार रूपये दोनों ही टीमों को अलग से मिले। फाइनल मुकाबले में निर्णायक की भूमिका लोकप्रिय रफेरी दीपक रावल ने और लाइन मैन की भूमिका रवीन्द्र जोशी और विवेक वर्मा ने निभाई। मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिका गंगोलीहाट की अध्यक्षा जयश्री पाठक, पूर्व विधायक मीना गंगोला, थाना प्रभारी मंगल सिंह राज्य आंदोलनकारी कल्याण सिंह धानिक, षष्ठी रावल, मुकेश रावल, दिनेश धानिक, सुरेन्द्र बिष्ट, हेमराज रावल, राम सिंह बिष्ट , मोहन कार्की, एडवोकेट जितेन्द्र देउपा, भगवती पन्त सभासद संजू बोरा, सभासद नीरज रावल, संजय रावल गंगोलीहाट फुटबाल फेडरेशन के अध्यक्ष गजेन्द्र सिंह रावल, नारायण बोरा, भूपेश पन्त, दीपक चारू बोरा, बब्लू पाण्डे, रवीन्द्र जोशी, विवेक वर्मा, दरपान बिष्ट, गुड्डू भाटिया, भगत परगांई युवराज खाती, भरत खाती निखिल साह, गुरदेव कार्की, भरत खाती आदि थे। फेडरेशन के सदस्य नारायण बोरा ने बताया कि अगले वर्ष से अण्डर 15 और अण्डर 19 फुटबाल मैच भी कराये जायेंगे। लगातार चले इन मैचों का आँखों देखा हाल सुनाया शिक्षक त्रिभुवन बिष्ट सुबोध जोशी और निखिल साह ने।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

चिन्ता

हिमलाय के ऊपर बढ़ता तापमान खतरे की घण्टी

डॉ. हरीश चन्द्र अन्डोला

दुनिया में इस साल रिकार्ड्ड तोड़ गमह्न पड़ रही है। वहीं कई इलाके ऐसे हैं, जहां भयानक बारिश हो रही है। यह कोई भी देख सकता है कि साल 2023 का मौसम सामान्य नहीं है। कई लोग इसके लिए जलवायु परिवर्तन को दोष दे रहे हैं। जो कि एक हद तक सही भी है। इंसानों के जीवाष्म ईंधन जलाने से फैली ग्लोबल वार्मिंग इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। हाल ही में पता चला है कि जून 2023 में मैक्सिको में गर्मी की भयानक लहर के लिए ग्लोबल वार्मिंग ही जिम्मेदार है। लेकिन गर्मी के लिए सिर्फ ग्लोबल वार्मिंग को दोष नहीं दिया जा सकता। एरोसाल ही निचले वायुमण्डल को गर्म करने के लिए 50 फीसदी जिम्मेदार है जबकि बाकी भूमिका ग्रीन हाउस गैसों की है। साफ तौर पर पाया गया है कि एरोसाल से ना केवल इलाका गर्म हो रहा है, बल्कि हिमालय पर्वत श्रृंखला दुनिया भर की सबसे विशाल पर्वत श्रृंखला है। इसके ग्लेशियर से निकली नदियों से करीब दनिया के 2 अरब लोगों की पानी की जरूरतें प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से पूरी होती हैं। यह अफगानिस्तान से लेकर म्यांमार तक फैला जिसमें भारत, पाकिस्तान, नेपाल, भूटान, चीन और बांग्लादेश भी शमिल हैं। आपको बता दें कि अब जलवायु परिवर्तन की वजह से हमारा हिमालय गर्म हो रहा है। इसरो के वैज्ञानिकों की अगुआई में हुए अध्ययन में खुलासा हुआ है कि हालात बहुत नाजुक हो रही है और इसके लिए जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ती पानी की महीन बूंदें जिम्मेदार हैंरिपोर्ट में बताया गया है कि अकेले वह जलवायु परिवर्तन का प्रमुख बनने के साथ ही ग्लेशियरों के पिघलने की दर को बढ़ाने के साथ ही बारिश के स्वरूपों में भी बदलाव ला रहा है। पहली बार हुए इस तरह के अध्ययन में वैज्ञानिकों ने पाया है कि ऐरोसोल रेडिएटिव फोर्सिंग कारगरता दक्षिण और पूर्वी एशिया के तुलना में 2-4 गुना अधिक है। अध्ययन की पड़ताल के नतीजे हाल ही में द साइंस आफ टोटल एनवायर्नमेंट जर्नल में प्रकाशित हुए हैं। अध्ययन में पाया गया है कि अवलोकित वार्षिक औसत एरोसाल जनित वायु ममण्डलीय ऊष्मन पहले की तुलना में अधिक पाया गया है। इससे एशिया की करीब 2 अरब की वजह जनसंख्या सीधे तौर पर प्रभावित होगी जो पीने के पानी के साथ ही, सिंचाई और ऊर्जा के लिए भी हिमालय पर निर्भर है। बाढ़, भूस्खलन जैसी आपदाएं हिमालय के ऊपर तापमान बढ़ने का सीधे तौर पर ग्लेशियरों को अस्थिर करने का काम करेगा जो पहले से ही हिमालय के रिहायशी इलाकों के पास तबाही का खतरा बन चुके हैं और अपने साथ भूस्खलन जैसी खतरनाक घटना ला दते हैं। इसमें ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने से असमय आने वाली की बाढ़ एक सहायक कारक बन जाती है। जिससे बारिश के पैटर्न में बदलाव होगा और मानसून तो प्रभावित होगा ही हिमालय पर होने वाली असमय बारिश और बर्फबारी बढ़ेगी। जिसका भारत पर गहरा असर होगा। लेकिन खतरा यहीं तक रुका नहीं है, एरोसाल के कारण 2 हजार किलोमीटर लम्बी हिमालय पर्वत श्रृंखला में लगातार बर्फ का नुकसान हो रहा है और तेजी से ग्लेशियर पिघलने का एक प्रभाव यहाँ के जलचक्र तक को प्रभावित करेगा। मानवीय गतिविधियाँ जो वायुमण्डल में ग्रीनहाउस गैस छोड़ती हैं, तापमान में धीरे-धीरे वृद्धि कर रही हैं, प्रति दशक औसतन 0. 2 डिग्री फ़ारेनहाइट (0.1 सेल्सियस)। तीन अतिरिक्त प्राकृतिक कारक भी इस वर्ष वैश्विक तापमान और ईंधन आपदाओं को बढ़ाने में मदद कर रहे हैं- अल नीनो, सौर उतार-चढ़ाव और पानी के नीचे एक विशाल ज्वालामुखी विस्फोट। दुर्भाग्य से, ये कारक इस तरह से मिल रहे हैं कि ग्लोबल वार्मिंग बढ़ रही है। इससे भी बदतर, हम कम से कम 2025 तक असामान्य रूप से उच्च तापमान जारी रहने की उम्मीद कर सकते हैं, जिसका मतलब है कि निकट भविष्य में मौसम और भी अधिक चरम होगा। अगले कुछ साल बहुत कठिन हो सकते हैं। यदि अगले वर्ष एक मजबूत अल नीनो विकसित होता है, जो सौर अधिकतम और हंगा टोंगा-हंगा हाश्आपाई विस्फोट के प्रभावों के साथ संयुक्त होता है, तो पृथ्वी का तापमान सम्भवत: अज्ञात ऊँचाई तक बढ़ जाएगा। जलवायु माडलिंग के अनुसार, इसका मतलब सम्भवत: और भी अधिक गर्मी की लहरें, जंगल की आग, अचानक बाढ़ और अन्य चरम मौसम की घटनाएं होंगी। हाल के वर्षों में मौसम और जलवायु दोनों पूर्वानुमान बहुत विश्वसनीय हो गए हैं, जो पृथ्वी की परिक्रमा करने वाले उपग्रहों से बड़ी मात्रा में डेटा और समुद्र, भूमि और वायुमण्डल के जटिल घटकों के बीच गर्मी और पानी के प्रवाह और अन्तर सम्बन्ध की भविष्यवाणी करने के लिए विशाल सुपर कम्प्यूटिंग शक्ति से लाभान्वित हो रहे हैं। दुर्भाग्य से, जलवायु माडलिंग से पता चलता है कि जैसे-जैसे तापमान में वृद्धि जारी है, मौसम की घटनाएं और अधिक चरम होती जा रही हैं। अब 50 प्रतिशत से अधिक सम्भावना है कि पृथ्वी का वैश्विक तापमान वर्ष 2028 तक 2.7 (1.5) तक बढ़ जाएगा, कम से कम अस्थायी रूप से, इससे भी अधिक मानव प्रभावों के साथ जलवायु परिवर्तन बिन्दुओं को ट्रिगर करने का जोखिम बढ़ जाएगा। जलवायु प्रणाली के कई हिस्सों के दुर्भाग्यपूर्ण समय के कारण, ऐसा लगता है कि हालात हमारे पक्ष में नहीं हैं।

कतु सुन्दर बंग्याल

आहा कतु सुन्दर बणे राखो राजू तुमुल आपण बंग्याल के,
कैकि नज़र झन लागो राजू तुमर बंग्याल।
तुमर बुड़ बौज्यू क बनाई मकान खनरी गौछी
पाख क दार पाथर मिमे एँ गौछी,
बीमें अब मेंसा क रौण लेके नी रे गौछी,
तुमुले ठीक करो राजू सही बखत पर सुधारी हलो कोठड़ी की,
कतु सुन्दर रौण लेक वने हालो अपण बंग्याल क,
कैकी नज़र झन लागो राजू त्यर बंग्याल क।
कतु सुन्दर कॉलम खिती वेर मजबूत बणे राखो अपण बंग्याल के
पाख ले सुन्दर बीम डाली बेर लिंटर वाल बने हालो बंग्याल के
नांणा वास्ते सुन्दर वाथरूम, शौच जिली टाईलेट बणे राखो,
पूज पाठ वास्ते मन्दिर ले बणे हालो,
सब कम्रों में सितण लिजी सबों लिजी अलग-अलग बेडरूम ले बणे हालो,
ननतिना क पढ़ाई वास्ते स्टडी रूम ले बन छू त्यर बंग्याल में,
केकी नज़र नि लागो राजू त्यर बंग्याल के,
सब कमरों में फर्श में जग जाग टाइल ले बिछे राखी,
रंग रोंगन करी बेर खूब चमकदार बने हालो अपन बंग्याल के,
केकी नज़र झन लागो राजू त्यर बंग्याल के।
औना-पौणा लोगों लिजी गेस्ट रूम ले बनी हुई छू,
और लोगो क स्वागत लिजी बैठक रूम ले बने हालो,
और वीमे सुन्दर सोफासेट ले लगे राखो,
भियार वे काण्ड में खूब लम्ब चौड़ बने राखो,
और बंग्याल में गाड़ी लिजी गेराज ले बने हालो,
आँगन में सुन्दर लॉन ले बनी छु,
घर पैचा क दिन में के ले पुजै दिया अपन बंग्याल क,
अब कतु सुन्दर बने हालो आपण बंग्याल के
केके नज़र झन लागो राजू त्यर बंग्याल के।

-नन्दा बल्लभ पाण्डे

ज्योतिष की बातें - 150

30 अक्टूबर 2023 को राहु मध्यमान से मीन राशि में प्रवेश करेगा। एक माह बाद जब राहु स्पष्टमान से मीन राशि में प्रवेश करेगा उस समय राहु का गोचरफल प्रस्तुत किया जाएगा।

3 नवम्बर 2023 को शुक्र अपने मित्रग्रह बुध की राशि कन्या में प्रवेश करेगा, लेकिन कन्या राशि शुक्र की नीचराशि भी होती है। उस समय शुक्र पर गुरु की शुभ दृष्टि भी रहेगी। फलदीपिका के अनुसार शुक्र केवल छठवें, सातवें व दसवें स्थान पर अशुभ होता है, शेष स्थानों पर शुभफल प्रदान करता है। अत: अगले 27 दिन शुक्र सांसारिक सुख आदि अपने कारक विषयों में वृषभ, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या, तुला, वृश्चिक, मकर व कुम्भ राशि के जातकों को शुभ ऽल प्रदान करेगा। शेष तीन राशियों को अभी प्रतीक्षा करनी चाहिए।

4 नवम्बर 2023 को अभी तक वक्री चल रहा शनि कुम्भ राशि में मार्गी हो जाएगा अत: शनि से प्राप्त होने वाले कष्टों में अवश्य ही कुछ कमी आएगी।

करक चतुर्थी (करवा चौथ)- कार्तिक कृष्णपक्ष चतुर्थी चन्द्रोदय व्यापिनी तिथि में करवा चौथ का व्रत रखा जाता है। तदनुसार बुधवार 1 नवम्बर 2023 को विवाहित महिलाएँ पति की दीर्घायु की कामना से करवा चौथ का व्रत सम्पन्न करेंगीं ।

शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद

सम्यक् विचार- 41

मशीनीकरण अर्थात् पशुओं का विनाश

गाय हम पालते हैं क्योंकि उसका दूध पिया जाता है। लेकिन बैलों का क्या होता होगा? क्योंकि खेती किसानी में, बैलगाड़ी में या अन्य किसी भी प्रकार का बैलों का उपयोग अब समाप्त हो चुका है। प्राकृतिक रूप से जितने बछड़े जन्म लेते हैं उतनी ही बछियां भी जन्म लेती हैं फिर बछड़ों का क्या होता होगा। (मादा) भैंस को तो मनुष्य दूध पीने के लिए रख देता है फिर (नर) भैंसों का क्या होता होगा? क्योंकि अब भैंसगाड़ी तो लुप्त ही हो चुकी है, भैंसे का अन्य कोई उपयोग भी अब नहीं रहा। धोबी के यहाँ गधों का भी अब कोई उपयोग नहीं रहा क्योंकि कपड़ों की धुलाई अब बड़ी-बड़ी मशीनों में होने लगी है। घोड़े का भी उपयोग अब समाप्त हो चुका है। कारें, गाड़ियां, यातायात के अन्य साधन अब आ जाने के कारण इक्के, तांगे, रथ आदि प्रचलन से बाहर हो चुके हैं। पशु दो प्रकार के होते हैं- वन्य पशु और ग्राम्य पशु। वन्य पशु तो जंगल में रहते हैं लेकिन ग्राम्य पशुओं का जीवन तो मनुष्यों पर ही निर्भर होता है। सभी कार्य मशीनों से हो जाने के कारण अब ग्राम्य पशुओं पर संकट आ गया है। यदि कहीं कोई पशु का अस्तित्व बचा है तो दूध के लिये अथवा मांस के लिये बचा है। मशीनीकरण के कारण पशुओं की संख्या निरन्तर कम होती जा रही है जोकि प्राकृतिक असन्तुलन पैदा कर रही है जिसका अन्तिम परिणाम होता है पर्यावरण का विनाश और रिर स्वास्थ्य का महाविनाश। इसी कारण खेतों में पराली जलाने की समस्या पैदा हुई है।

मेरे विचार से मशीनीकरण औद्योगीकरण कितना भी हो जाए लेकिन पुराने साधनों को पूर्णत: समाप्त नहीं करना चाहिए। व्यक्ति भले ही हवाई जहाज से चले लेकिन बैलगाड़ी आदि का भी अस्तित्व बचा रहना चाहिए। प्राकृतिक सन्तुलन आवश्यक है। **-सरल**

कुम्हार चाहिए

मेरे गाँव को बस सुधार चाहिए
सुधार के लिए अब चमत्कार चाहिए
मेरे गाँव को जनपक्षीय सरकार चाहिए
लगा हूँ कबसे आश पर किन्तु
हौसलों के चन्द असआर चाहिए
न मालूम कितने आए और गए
अब तो परिवर्तन की बयार चाहिए
यहाँ खाफैजदा हैं हमारे गाँव
अब यहाँ कोई नया अवतार चाहिए
कर दे कुछ ऐसा कि फिजा बदल जाए
अब ऐसा नया सृजनहार चाहिए
मेरे गाँव के लोग पलायन को मजबूर हैं
इन्हें यहाँ टिकाने को रोजगार चाहिए
न कटें जंगल और न बंधें नदियां
अपनी मैमांटी को बचाने का विचार चाहिए
देखे बहुत सारे सपने हमने भी
मिट्टी हुए सपनों को आकार चाहिए
गीली मिट्टी हैं सपने हमारे
इन्हें आकार देने के लिए कोई कुम्हार चाहिए

-रतनसिंह किरमोलिया

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिथौरागढ़ में १७ नवम्बर से शरदोत्सव

पिथौरागढ़। देवसिंह मैदान में आगामी 17 नवम्बर से शरदोत्सव का आयोजन किया जायेगा। नगर पालिका में पालिकाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह रावत की अध्यक्षता में हुई बैठक में कहा गया कि स्थानीय कलाकारों को मंच देने के साथ ही आयोजन को भव्य रूप से मनाया जायेगा।

रेरा मामले में किसान गोलज्यू दरबार में

हल्द्वानी। किसान संघर्ष समिति के बैनर तले किसानों ने रेरा एक्ट का विरोध करते हुए गोलज्यू दरबार में अर्जी लगाई। 40 दिन तक तक आन्दोलन के बाद सीएम से वार्ता कर किसान चुप थे लेकिन मामले में परिणाम न दिखाई देने पर संघर्ष समिति ने फिर से प्रदर्शन की तैयारी करते हुए किसान समस्या के लिये एकजुट होकर संघर्ष का आह्वान किया।

हाटकालिका में सौन्दर्यीरण की तैयारी

गंगोलीहाट। मानखण्ड माला के तहत हाट कालिका मन्दिर एवं पातालभुवनेश्वर में सौन्दर्यीकरण की तैयारी शुरु हो चुकी है। जिलाधिकारी रीना जोशी ने बताया है कि सौन्दर्यीकरण के लिये तय की गई निर्माण कार्य फर्म ने प्रस्ताव बनाने शुरु कर दिये हैं। इसे शासन को भेजा जायेगा और स्वीकृति मिलते ही कार्य शुरु होगा।

बाजपुर में भड़के आन्दोलनकारी

बाजपुर। संयुक्त किसान मोर्चा के तत्वाव धान में चलाए जा रहे भूमि बचाओ सत्याग्रह आन्दोलन में तहसील में तालाबन्दी कर गुस्सा दिखाया गया। आन्दोलनकारियों ने कहा कि जब तक उन्हें भूमि पर उनका अधिकार नहीं मिल जाता यह प्रदर्शन जारी रहेगा। संयोजक जगतार सिंह बाजवा सहित तमाम किसान नेता इसमें जुटे हैं।

पुंगराऊ घाटी में बिजली का रोना

थल। पुंगराऊ घाटी में विद्युत व्यवस्था का रोना मचा हुआ है। आपूर्ति ठप होने से 120 ग्राम प्रभावित होने से नाराज लोगों ने यूपीसीएल व सम्बन्धित ठेकेदार के खिलाफ नारेबाजी की। सामाजिक कार्यकर्ता राजू कार्की के नेतृत्व में ग्रामीणों ने प्रदर्शन करते हुए कहा कि क्षेत्र की हमेशा से उपेक्षा होती रही है।

लड़ीधूरा महोत्सव की धूम मची

लोहाघाट। लड़ीधुरा महोत्सव में धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम मची। इस मौके पर विभिन्न प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं। इसमें शरीर सौष्ठव प्रतियोगिता का आकर्षण भी बना रहा। महोत्सव समिति के अध्यक्ष नगेन्द्र कुमार जोशी ने कहा कि युवाओं को सकारात्मक कार्यों में जुड़ने के लिये इस प्रकार की प्रतियोगिताएं जरूरी हैं।

छात्र संघ चुनाव को लेकर निर्देश और उच्चशिक्षा की सच्चाई

उत्तराखण्ड में छात्र संघ चुनाव को लेकर दिये गये निर्देश कि 5 नवम्बर तक छात्र संघ चुनाव करवा दिये जाएं, से विश्वविद्यालयों, कालेजों में हड़कम्प मच गया। इससे साफ पता चलता है कि प्रदेश की उच्चशिक्षा एकदम पटरी से उतर चुकी है। उच्चशिक्षा मंत्री के बार-बार यह कहने के बावजूद कि एक समय पर प्रवेश, एक समय पर परीक्षा, एक समय पर चुनाव करवाए जाएं। इन बातों को शायद गम्भीरता से नहीं लिया गया है। आदेश था तो चटपट प्रयोगात्मक, मौखिक परीक्षाओं को निपटाने की औपचारिकताएं की गईं। इस बीच दशहरे का अवकाश भी था। कालेजों में अवकाश को लेकर शिक्षक चिन्ता जताने लगे और बिना परीक्षाफल के प्रवेश देना भी गलत है और जब प्रवेश होगा तभी चुनाव होंगे। इन स्थितियों में विद्यार्थियों से शपथ पत्र लेकर प्रवेश प्रक्रिया आरम्भ की गई और तालमेल बनाकर अवकाश की व्यवस्था हुई। इन सबसे यह तो साफ दिखाई दे रहा है कि प्रदेश की उच्चशिक्षा में विद्यार्थी बहुत नुकसान में हैं।

हर्षिल को फलपट्टी बनाया जाएगा

उत्तरकाशी। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि हर्षिल को उत्कृष्ट किस्म के सेव उत्पादन को देखते हुए उसकी बेहतर ब्रांडिंग व मार्केटिंग पर राज्य सरकार विशेष ध्यान दे रही है। मंत्री ने हर्षिल को फलपट्टी बनाने की घोषणा की। कहा कि कश्मीर और हिमाचल के बाद उत्तराखण्ड सेब उत्पादन में आगे बढ़ रहा है।

हर्षिल वाइब्रेट विलेज के उद्यान विभाग परिसर में सेव महोत्सव का शुभारम्भ करते हुए कृषि मंत्री श्री जोशी ने कहा कि देश-दुनिया में हर्षिल के सेब की मांग बढ़ी है। स्वाद और ब्रांडिंग में हर्षिल का सेब हिमाचल व कश्मीर के सेब से पीछे नहीं है। उन्होंने कहा कि हर्षिल फलपट्टी बनने से कृषि और बागवानी में हमारा प्रदेश आगे बढ़ेगा। कहा कि मिलेट मिशन के जरिए मोटे अनाज को देश-दुनिया में नई पहचान मिली है। मंत्री ने महोत्सव में विभिन्न किस्म के सेब की प्रदर्शनी का अवलोकन करने के बाद विजेताओं को पुरस्कृत किया। महोत्सव में देश-विदेश के पयर्टकों ने भी भागीदारी की। इस अवसर पर मुख्य उद्यान अधिकारी डॉ. डी.के.तिवारी, सत्येन्द्र सिंह राणा, ब्लाक प्रमुख विनीता रावत भी मौजूद थे।

पूर्णागिरी : भण्डारा सुविधा शुल्क

टनकपुर। पूर्णागिरी धाम में भण्डारा लगाने वाले श्रद्धालुओं से सुविधा शुल्क लिया जायेगा। उपजिलाधिकारी ने बैठक में अधिकारियों से नवरात्र में व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने को कहा।

बैठक में बताया गया कि मुख्य मेले के दौरान पूर्व एसडीएम ने भण्डारे का सुविधा शुल्क बन्द कर दिया था लेकिन यह लिया जायेगा ताकि इस राशि से स्वच्छकों को सफाई हेतु भुगतान किया जा सके। जिला पंचायत को निर्देशित किया गया है कि शौचालय और बाटनागड़ मार्ग में अन्धेरा अधिक होने के कारण बिजली, पानी और पुलिस की उचित व्यवस्था हो। बैठक में सीओ अविनाश वर्मा, कोतवल चन्द्र मोहन सिंह, जिला पंचायत एएसए भगवत पाटनी, मन्दिर समिति अध्यक्ष किशन तिवारी, उपाध्यक्ष नीरज पाण्डे, ईओ भूपेश प्रकाश मौजूद थे।

हस्तक्षेप से डिप्लोमा इंजीनियर खफा

पिथौरागढ़। लोक निर्माण विभाग के इंजीनियर विभागीय कार्यों में राजनीतिक हस्तक्षेप से खफा हैं। उत्तराखण्ड डिप्लोमा इंजीनियर संघ की बैठक के दौरान अभियन्ताओं ने अपनी पीड़ा व्यक्त की। उन्होंने सरकार से विभागीय कार्यों पर बढ़ते राजनीतिक हस्तक्षेप पर रोक लगाने की मांग की।

लोनिवि के निरीक्षण भवन में डिप्लोमा इंजीनियर संघ के जिलाध्यक्ष संजय वर्मा की अध्यक्षता में प्रान्तीय और मण्डल कार्यकारिणी के पदाधिकारियों ने बैठक के दौरान कर्मचारियों की विभिन्न समसयाओं को लेकर चर्चा की। वक्ताओं ने प्रदेश में लागू स्थानान्तरण एक्ट में सवाल उठाते हुए उसमें सुधार करने को कहा। दुर्गम खण्डों में अभियन्ताओं की कमी को दूर करने, 5400 ग्रेड पे समेत अन्य मामलों समाधान करने को कहा। संचालन जिला सचिव मनीष सिंह खड़ायत ने किया। यहाँ प्रान्तीय अध्यक्ष आर.सी. शर्मा, विनोद सनवाल, छबील दास सैनी, योगेश ततराड़ी समेत कई मौजूद थे।

एसएसबी भारत व एपीएफ नेपाल बैठक

चम्पावत। भारत और नेपाल अन्तर्राष्ट्रीय सीमा पर अवैध गतिविधियां रोकने के लिये दोनों देशों के बीच किसी तीसरे देश के नागरिकों की आवाजाही पर सख्ती होगी। प्रतिबन्धित वस्तुओं, हथियारों की तस्करी रोकने पर सामूहिक रूप से कार्य किया जायेगा। चम्पावत सर्किट हाउस में भारतीय एसएसबी और नेपाल एपीएफ की डीआईजी स्तर की बैठक में यह निर्णय लिया गया। सशस्त्र सीमा बल के क्षेत्रीय मुख्यालय पीलीभीत के डीआईजी सुनील कुमार ध्यानी व आर्म्ड पुलिस फोर्स नेपाल के डीआईजी कुमार नेउपाने ने सामुहिम रूप से अध्यक्षता करते हुए दोनों देशों के मध्य सुरक्षा बढ़ाए जाने और अवैध गतिविधियों की रोकथाम के लिए मिलकर कार्य करने की बात कही। बैठक में एसएसबी मुख्यालय अल्मोड़ा के डीआईजी, 11वीं वाहिनी डीहाट के कमाण्डेंट, 29वीं वाहिनी बलिया यूपी के कमाण्डेंट भी मौजूद थे।

उक्रांद केंद्रीय कार्यकारिणी का विस्तार

देहरादून। उत्तराखण्ड क्रान्तिदल की केन्द्रीय कार्यकारिणी का विस्तार की दूसरी सूची जारी हुई है। अध्यक्ष पूरन सिंह कठैत ने बताया है कि जिलों से आए नामों से हर हिस्से को प्रतिनिधित्व दिया गया है। केन्द्रीय उपाध्यक्ष पद पर जयप्रकाश उपाध्याय, आनन्द सिंह असगोला, मोहन असवाल, प्रीतम रावत, सलीम अहमद को स्थान दिया गया है। केन्द्रीय महामंत्री पद पर सुशील उनियाल, विजय बौड़ाई, रमेश थलाल, कर्नल सुनील कोटनाला, मुख्य प्रवक्ता की जिम्मेदारी शान्ति प्रसाद भट्ट को दी गई है। मीनाक्षी घिल्डियाल, डॉ.पंकज पैन्यूली, जब्बर सिंह रावत, सोमेश बुड़ाकोटी, देवेन्द्र चमोली, राज नितिन रावत को केन्द्रीय प्रवक्ता बनाया गया है। लोकेन्द्र जोशी, विक्रम नेगी, रविना बड़ोनी, बलवन्त नेगी, जितार सिंह सजवाण, गोविन्द बिष्ट को केन्द्रीय मंत्री, पंकज उनियाल, वाचस्पति प्रसाद भट्ट, गोपाल मेहता, सरदार हरजाप केन्द्रीय संगठन मंत्री, अशोक नेगी, धर्मवीर नेगी सह कार्यालय प्रभारी, प्रकाश पाण्डे, विजय जुयाल, भुवन जोशी आमंत्रित सदस्य हैं।

१४-१५ को बन्द होंगे कपाट

चमोली। शीतकाल में गंगोत्री के कपाट 14 नवम्बर और यमुनोत्री के 15 नवम्बर को मुहूर्त पर बन्द होंगे। गंगोत्री के कपाट अन्नकूट पर्व पर पूर्वान्ह 11.45 बजे बन्द किये जायेंगे। मन्दिर समिति के सचिव सुरेश सेमवाल ने बताया कि शीतकाल में 6 माह तक माँ गंगा की पूजा मुखबा स्थित गंगा मन्दिर में होगी।

मदरसे में बंधक बच्चे मुक्त कराये

किच्छा। पुलभट्टा पुलिस ने सिरौलीकला के चारबीघा क्षेत्र में बिना अनुमति के चलाये जा रहे मदरसे से 24 बच्चों को मुक्त कराया। बताया है कि 4 साल से 16 साल तक के बच्चों को अन्धेरे कमरे में बन्धक बनाया गया था। आरोप लग रहे हैं कि संचालक गरीब घरों के बच्चों को श्रम व अन्य तरह के अत्याचार कर रहे थे। संचालक दम्पत्ति के खिलाफ मामला दर्ज व मदरसे को सीज कर जाँच चल रही है। मुक्त कराए गये बच्चे उनके परिजनों को सौंप दिया है।

परिक्रमा

चम्पावत में मतदेय स्थल संख्या बढ़ी

चम्पावत। विधानसभा चम्पावत के मतदेय स्थलों की संख्या 333 से बढ़कर 344 हो गई है। जिला निर्वाचन अधिकारी डीएम ने नवनीत पाण्डे ने बताया कि लोहाघाट और चम्पावत विधानसभा क्षेत्रों में यह संख्या बढ़ी है। निर्वाचन विभाग की ओर से अधिसूचना जारी करते हुए अन्तिम सूचना प्रकाशन कर दिया है।

शिवलाल वर्मा के नाम पर हो कालेज का नाम

गंगोलीहाट। राजकीय इण्टर कालेज दशाईथल का नामकरण बलिदानी शिव लाल वर्मा के नाम पर रखने की मांग उठी है। अभिभावक शिक्षक संघ ने इस सम्बन्ध में मुख्यमंत्री को ज्ञापन भी भेजा है। अभिभावक संघ के अध्यक्ष राजेन्द्र के नेतृत्व में उपजिलाधिकारी बीएस फोनिया के माध्यम से ज्ञापन भेजते हुए कहा गया है कि मल्ली वसई निवासी शिवलाल वर्मा पुत्र स्व.पूरन लाल ने देश के लिये अपना बलिदान दिया।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

महान अन्वेषक...

प्रथम पृष्ठ का शेष

अन्वेषण तक तिब्बत के बारे में कोई भी बाहर वाला किसी भी प्रकार की जानकारी नहीं रखता था। 21 अक्टूबर 1830 को पैदा हुए पण्डित रावत ने पूरी दुनिया में भारत का नाम रोशन किया। भारत सरकार ने उनके नाम पर डाक टिकट जारी कर उन्हें सम्मान दिया।

पण्डित में सिंह रावत के बारे में नई पीढ़ी को जानकारी देने के लिए इस इस वर्ष से मुनस्यारी में उनकी जयंती मनाई जा रही है। 19वीं शताब्दी में पैदा हुए महान अन्वेषकों में से पण्डित नैन सिंह रावत का नाम एक है। इनके अन्वेषण की ख्याति को देखते हुए इन्हें 'द पण्डित' के नाम से सम्बोधित किया गया। परतंत्र भारतीय मूल के प्रथम व्यक्ति थे, जिन्हें भू-वैज्ञानिक कार्य के लिए रॉयल ज्योग्रेफिकल सोसाइटी द्वारा उन्हें प्रथम विक्टोरिया पदक से विभूषित भी किया गया। विकासखण्ड मुनस्यारी के ग्राम पंचायत बसन्तकोट के भटकूड़ा गाँव में 21 अक्टूबर 1830 को पण्डित नैन सिंह रावत का जन्म हुआ।

इनके पिताजी का नाम लाटा था। पण्डित नैन सिंह रावत के चचेरे भाई मान सिंह रावत ने भी इनके साथ अन्वेषण का कार्य किया। कुशाग्र बुद्धि के होने के कारण पण्डित बन्धुओ ने 1855 से 1856 में 'लाघ इट वाइट बन्धुओं के साथ दुभाषिये और सर्वेक्षक के रूप में तुर्किस्तान की यात्रा की। तिब्बती भाषा का ज्ञान तथा कार्य कुशलता से प्रभावित होकर जर्मन बष्धु उन्हें अपने साथ यूरोप ले जाना चाहते थे, लेकिन पहाड़ से प्रेम तथा चचेरे भाई मान सिंह रावत के विरोध के कारण दोनों भाइयों को रावलपिंडी से वापस लौटना पड़ा। सन् 1863 में इन्हें चचेरा भाई मान सिंह रावत के साथ देहरादून बुलाया गया। सुपरिटेंडेंट कर्नल जे.टी. वाकर तथा ग्रेट ट्रिगोनोमैट्रिकल सर्वे में एक अन्वेषण के रूप में नियुक्ति किया गया। भारतीय सीमा के बाहरी क्षेत्र में कार्य करने के लिए पण्डित बन्धुओ को टोपोग्रेफिकल आवजर्वेशन का प्रशिक्षण कार्य दिया गया। तिब्बत की भौगोलिक स्थिति का ज्ञान बाहर वालों को नहीं था।

यूरोपीय जगत को तिब्बत में प्रवेश प्रतिबन्धित होने के कारण मार्च 1865 को दोनों पण्डित बन्धुओ को नेपाल होते हुए लहासा के सर्वेक्षण हेतु भेजा गया। नैनसिंह के चचेरे भाई मान सिंह रावत को मध्य में ही अपनी यात्र स्थगित कर स्वदेश लौटना पड़ा, लेकिन पण्डित नैन सिंह रावत ने एक लद्दाखी की वेश में दावा नमग्यल के नाम से नौकर बनकर तिब्बत में प्रवेश करने पर सफल हो गये।

बुशहरी का वेश बनाकर लद्दाख के व्यापारी ल्होपच्याक के साथ 29 अक्टूबर 1865 को शिगात्से पहुंचे। केवल लद्दाखी और बुशहरी ही स्वतंत्र रूप से सम्पूर्ण तिब्बत में आवागमन कर सकते थे।

शिगात्से में पण्डित नैन सिंह रावत टासी लाम्बो गोम्पा के रिंपोचे पंचेम लामा के दर्शन करने गये। उन्हें यह आशंका थी कि यह पवित्र पुरुष उनके गुप्त रहस्य को जान लेगा। परन्तु यह जानकर आश्चर्य हुए कि पवित्र पद पर मात्र 11 वर्षीय बालक पदासीन है, जो प्रत्येक दर्शनार्थियों को प्रायरू केवल एक ही प्रकार के तीन प्रश्न पूछ रहा है। शिगात्से में दो माह तक सर्वेक्षण कार्य करने के पश्चात 25 दिसम्बर को हुए एक औद्योगिक नगर ग्यानत्से पहुंचे। 10 जनवरी 1866 को पण्डित नैन सिंह ने ल्हासा पहुँचकर दो कमरे का एक मकान किराए पर लिया। उसके बाद आवजर्वेशन का कार्य प्रारम्भ किया। 100 दिन तक ल्हासा में रहकर वहां की भौगोलिक, सामाजिक तथा आर्थिक स्थिति का अध्ययन करने के पश्चात उसी लद्दाखी व्यापारी के साथ ल्हास लद्दाख मार्ग का सर्वेक्षण करते हुए त्रदाम पहुँचे। मार्ग व्यय की कमी के कारण उन्हें अपनी घड़ी भी बेचनी पड़ी।

21 जून 1866 को ऊंटा धुरा पार कर पंडित नैन सिंह रावत मिलम गाँव पहुँचे और यहाँ से देहरादून वापस चले गए। पण्डित नैन सिंह रावत ने अपनी इस यात्रा द्वारा काठमांडू-ल्हास- मानसरोवर तक की 1200 मील लम्बी दूरी का सर्वेक्षण तथा 21 स्थानों पर अक्षांश और 33 स्थान की समुद्र तल से ऊँचाई ज्ञात कर विश्व के लिए ऐतिहासिक कार्य किया। साथ ही उन क्षेत्रों की रोचक तथा ज्ञानवर्धक वर्णन अपनी डायरी में अंकित किया। सम्पूर्ण तथ्यों का सारांश कर्नल मान्टोगोमरी द्वारा सोसाइटी के जनरल में 38 वें खण्ड में किया गया है। इनकी इस महान यात्रा से प्राप्त उपलब्धियां के उपलक्ष में 1868 में सोसाइटी ने उन्हें एक स्वर्ण घड़ी घड़ी प्रदान की।

महान सर्वेयर पंडित नैन सिंह रावत पर आधारित निबन्ध एवं चित्रकला प्रतियोगिता के परिणाम-

कक्षा 6 से 8 जूनियर निबन्ध प्रतियोगिता में 1-चेतन भण्डारी कक्षा 7 राजकीय इंटर कालेज मुनस्यारी, 2- कुलदीप बृथ्वाल कक्षा 7 विवेकानंद इंटर कालेज मुनस्यारी, 3- कुमारी चित्रा आर्या कक्षा 8 राजकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दरकोट

कक्षा 6 से 8 जूनियर चित्रकला प्रतियोगिता- 1- कार्तिक बृजवाल कक्षा 8 राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दुम्मर, 2-अरुण भण्डारी कक्षा 8 विवेकानन्द विद्या मन्दिर इण्टर कालेज, 3- गुंजन कक्षा 8 मुनस्यारी पब्लिक स्कूल

कक्षा 9 से 10 चित्रकला सीनियर फर्स्ट में 1-कुमारी भूमिका तोमक्याल कक्षा 9 विवेकानन्द विद्या मन्दिर इण्टर कालेज, 2- निशा आर्या कक्षा 9 राजकीय बालिका इण्टर कालेज नमजला, 3- कृतिका कक्षा 9

कक्षा 9 से 10 निबन्ध प्रतियोगिता सीनियर फर्स्ट- 1- कुमारी तनीषा रावत कक्षा 10 राजकीय बालिका इण्टर कालेज नमजला, 2- कुमारी रोशनी कक्षा 10 राजकीय इण्टर कालेज मुनस्यारी, 3- खगेन्द्र सिंह कक्षा 8 राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रांथी

कक्षा 11 से 12 सीनियर वर्ग सेकण्ड- 1- गुंजन दशौनी कक्षा 11 राजकीय इण्टर कालेज मुनस्यारी

कक्षा 11 से 12 चित्रकला प्रतियोगिता- 1- जतिन सिंह कुवंर कक्षा 11 राजकीय इण्टर कालेज मुनस्यारी, 2- निशा पंवार कक्षा 11 विवेकानन्द विद्या मन्दिर इण्टर कालेज मुनस्यारी

स्नातकोत्तर चित्रकला प्रतियोगिता- 1- मयंक रावत बीए प्रथम सेमेस्टर, 2- प्रकाश सिंह राना बीए द्वितीय सेमेस्टर, 3- सुनीता जैष्ठा बीए द्वितीय सेमेस्टर

स्नातकोत्तर निबन्ध प्रतियोगिता- 1-तरुण देवली बीए पंचम सेमेस्टर, 2- हंसा कुमारी बीए द्वितीय सेमेस्टर, 3- प्रिया आर्या बीए प्रथम सेमेस्टर

डीडीहाट में याद किया गया

डीडीहाट। जोहार सामाजिक एवं सांस्कृतिक समिति द्वारा भारतीय एक्सप्लोरर पण्डित नैन सिंह रावत का जन्म दिन मनाया गया। जिसमें संरक्षक दुष्यन्त सिंह पांगती, अध्यक्ष शिव मोहन सिंह मर्तोलिया, सचिव नरेन्द्र सिंह रावत, उपाध्यक्ष उषा टोलिया, गणेश टोलिया, ललित मोहन मर्तोलिया, सभासद दीपेश जंगपांगी और कार्यकारणी सदस्य महिलाएं उपस्थित रहे।

भोटिया पड़ाव बागेश्वर में समारोह

बागेश्वर। जोहार सामाजिक एवं सांस्कृति समिति द्वारा महान अन्वेषक नैनसिंह रावत की जयन्ती को भोटिया पड़ाव में समारोह रूप में मनाया गया। समिति अध्यक्ष पूजा जंगपांगी सहित उपस्थित जनों ने 19वीं शदी के महान खोजकर्ता के यात्रावृत्त पर चर्चा करते हुए सभी को उनके कार्यों से प्रेरणा लेने को कहा।

कैसा सूचना का अधिकार है? जिसमें टालमटोल हो : रमेश पाण्डे

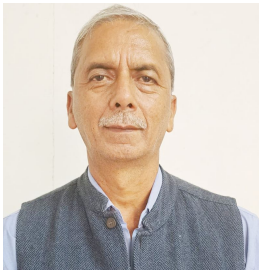

हल्द्वानी। आरटीआई के तहत मांगी जाने वाली सूचनाओं को देने में तमाम विभागों के टाल-मटोल रवैये से खिन्न होकर आवेदकों द्वारा इस उम्मीद के साथ द्वितीय अपील लगायी जाती है कि उन्हें समय पर सही सूचना मिल जायेगी लेकिन उत्तराखण्ड सूचना आयोग में द्वितीय अपील की सुनवाई के लिए नम्बर (बारी) आने में ही पांच माह से अधिक का समय लग जा रहा है। इसे टालमटोल न कहें तो क्या कहा जाए?

हल्द्वानी के देवकीविहार निवासी रमेश चन्द्र पाण्डे ने लोक सेवा आयोग के लोकसूचना अधिकारी को 11 मार्च को आवेदन भेजकर 3 बिन्दुओं पर सूचना मांगी थी

पटवारी / लेखपाल की भर्ती हेतु 12 फरवरी 2023 को दोबारा आयोजित परीक्षा के लिए प्रश्न पत्र तैयार कराये जाने की पूरी प्रक्रिया से सम्बन्धित पत्रचार एवं पत्रवली में अंकित टिप्पणी, 12 फरवरी को आयोजित परीक्षा में दिये गये प्रश्नपत्र, पटवारी/लेखपाल की भर्ती हेतु लीक हुए क्वैश्चन बैंक।

इनमें से बिन्दु संख्या 2 की सूचना तो दे दी गई लेकिन बिन्दु संख्या 1 एवं 3 की सूचना देने से यह कहकर इन्कार कर दिया कि इसमें विषय विशेषज्ञों के नाम, पते और मोबाइल नम्बर अंकित होते हैं ।

प्रथम अपीलीय अधिकारी के स्तर से भी सूचना नही मिलने पर आवेदक श्री पाण्डे द्वारा 3 जून को राज्य सूचना आयोग के सचिव को द्वितीय अपील भेजकर सूचना दिलाने का आग्रह किया। काफी समय व्यतीत होने पर भी सुनवाई की तिथि नहीं मिलने पर 18 अगस्त को ईमेल से अनुस्मारक भेजने पर आयोग के वित्त अधिकारी एस.के. गुप्ता के हस्ताक्षर से 22 अगस्त को इसका जवाब दिया गया जिसमें बताया गया कि उनकी अपील 9 जून को प्राप्त कर पंजीकरण हेतु रख ली गई है, सुनवाई का क्रमांक आने पर सम्बन्धित पक्षकारों को नोटिस निर्गत किये जायेंगे।

अब आयोग के उप सचिव रजा अब्बास के हस्ताक्षर से 29 सितम्बर को जारी नोटिस में लोक सेवा आयोग के लोक सूचना अधिकारी एवं अपीलीय अधिकारी को समस्त सम्बन्धित अभिलेखों के साथ 20 नवम्बर को सुबह 11.15 पर आयोग के कार्यालय में उपस्थित होने को कहा गया है ।

आरटीआई कार्यकर्ता श्री पाण्डे ने कहा कि लोकसूचना अधिकार अधिनियम की मूल भावना के अनुसार आवेदक को समय पर सही सूचना दिलाने का विधिक दायित्व सूचना आयोग का है लिहाजा मुख्य सूचना आयुक्त को सुनवाई मे हो रही देरी के मामले को संज्ञान लेना चाहिए

अन्तर्राष्ट्रीय मोटा अनाज विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन, पुस्तक विमोचन

देहरादून। स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर, ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी, देहरादून एवं उत्तरजन संस्था द्वारा संयुक्त रूप से ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी में अन्तरराष्ट्रीय मोटा अनाज विषय पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में प्राफेसर आर.के. मैखुरी एवं प्राफेसर एम.सी. सती, एचएनबी गड़वाल यूनिवर्सिटी द्वारा मोटे अनाजों की महत्ता पर व्याख्यान दिया गया। सम्मेलन की अध्यक्षता ग्राफिक हिल यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर संजय जसोला ने की एवं कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। इस उपलक्ष्य

पर डॉ. हरीश अन्डोला, दून यूनिवर्सिटी एवं डॉ. विजयकान्त पुरोहित, एचएनबी गड़वाल यूनिवर्सिटी द्वारा प्रकाशित पुस्तक 'मोटे अनाज एवं महत्व' का विमोचन किया गया। इसी अवसर पर डॉ. बलवन्त रावत एवं डॉ. अरविन्द सिंह नेगी, स्कूल आफ एग्रीकल्चर, ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी, देहरादून द्वारा प्रकाशित वार्षिक पत्रिका 'हमारी खेती' का भी विमोचन किया गया। प्रोफेसर एम.के. नौटियाल, अधिष्ठाता, स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

दशहरा एवं दीपावली की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ-

डॉ.अनिल कपूर 'डब्बू'
अध्यक्ष
उत्तराखण्ड मण्डी परिषद

११ साल बाद हल्द्वानी-धारचूला बस सेवा शुरू

हल्द्वानी। कुमाऊँ मोटर आनर्स लि. (केमू) ने सीमान्त क्षेत्र धारचूला के लिये बस सेवा संचालन शुरु कर दिया है। 11 साल बाद शुरु हुई इस सेवा के लिये प्रति सवारी किराया 650 रुपया रखा गया है। लम्बे रूट की इस सेवा से पहाड़ के लोगों को फायदा होगा।

उल्लेखनीय है कि परिवहन निगम इस दिशा में विचार ही कर पाया लेकिन यह कार्य केमू द्वारा किया गया है। असल में केमू 2012 तक इस मार्ग में बस चलाता था लेकिन विवाद होने के कारण इसे बन्द कर दिया गया था। दूसरी ओर छोटी बसों की संख्या कम होने से पहाड़ पर रोडवेज बसों का दायरा सीमित है। धारचूला जाने के लिये लिये उसके पास रात 12 बजे बस है, जो दिल्ली से वापसी के बाद जाती है। अब 11 साल बाद बस सेवा शुरु होने पर केमू संचालक सुन्दर सिंह चौहान ने बताया है कि प्रात: 4.45 बजे यह बस हल्द्वानी से चलकर सायं 5 बाजे धारचूला पहुँचेगी। वापसी की गाड़ी सुबह 4.30 बजे धारचूला से निकलकर सायं 5 बजे हल्द्वानी पहुँच पायेगी। वाहन का रूट अल्मोड़ा, सेराघाट, बेरीनाग होते हुए होगा। इसमें धारचूला के अलावा रास्ते के लोगों के लिये सुविधा होगी।

धारचूला और अस्कोट में रोडवेज बस स्टेशन बनने की उम्मीद

धारचूला। परिवहन सचिव अरविन्द हयांकी ने विभागीय अधिकारियों की बैठक के अलावा क्षेत्र का भ्रमण करते हुए कहा कि शहर के गांधी चौक के पास चार करोड़ की लागत से बस टर्मिनल बनाया जायेगा। इसमें 17 दुकानों के साथ स्वतंत्रता सेनानी परमल सिंह हयांकी स्मारक का भी निर्माण होना है। बताया कि धारचूला और अस्कोट में बस स्टेशन बनेंगे।

इस दौरान पालिकाध्यक्ष राजेश्वरी देवी ने नगर की रिंग रोड में डामरीकरण, मिनी स्टेडियम के पीछे ग्वालगाँव की सुरक्षा के लिये निर्माण कार्य करने की मांग की। कृष्णा गब्र्याल, अशोक नबियाल ने तवाघाट से छियालेख तक परिवहन विभाग में राष्ट्रीय राजमार्ग को पास करने की मांग की। महिराज गब्र्याल, प्रकाश गुंज्याल ने भी अपनी बात रखी।

Hotel
Bala Paradise
Tiksain, Munsiari
Ph. 05961222237, 9412951678

Hayat Paradise
Bus Station
Munsiari
Ph. 09411556700, 9997733070

माँ नन्दा आयरन एण्ड बिल्डिंग मैटेरियल, भोटिया पड़ाव, हल्द्वानी
(सीमेन्ट, सरिया, टाइल, पेण्ट, सेनेटरी, हार्डवेयर)
गोदाम- जोहार एसोसिएट्स
बच्चीनगर- 1, कमलुवागांजा, हल्द्वानी
मो.- 7409440813, 7500619761

MARTOLIA FURNITURE
A unit of Martolia Enterprises
Pilikothi, Haldwani
Mob- 8057167777, 7906752084, 8650427229

धमोत होम स्टे
धरमघर/चकोड़ी
(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग,माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)
मो. 9760007148
www.mountainheights.in

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर
नानासेम, मुनस्यारी
गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स
हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल आर्डर सप्लायर्स
फोन सम्पर्क- 05961-222236
8958525979, 9411134775

Enjoy Beauty of Himalaya at
MARTOLIA LODGE
Family Guest House- Sarmoly, Munsiyari
A Home Away From Home & Home Stay
Phone: (05961) 222287

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, कालाढूंगी रोड, हल्द्वानी (नैनीताल) से मुद्रित।

सम्पादक: श्रीमती गीता उप्रेती फोन/फैक्स: (05946) 264013, 9458961490, 9411770280, 9411301014, 9410713075,
editorpighaltahimalay@gmail.com
Website- www.pighaltahimalay.com
पत्र व्यवहार के लिये पते- जे0के0पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल)

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)